An Exploratory Study of Child Rights Education in Relation to Teacher Training Programme

Abstract

The Child Rights Education emphasizes a child-centered approach to education. It is represented in features such as respect for children's participation, consideration of their best interests, and growth to their highest potential, and non-discrimination. Interactive, learner-centered teaching is supported by the CRE. The aim and objective of the present research was to study the awareness of child rights education among pupil teachers. In this awareness of child rights education among male and female pupil teachers, B.Ed. and B.A.B.Ed/ B.SC. B.Ed. pupil teachers was compared. Researcher has framed the hypothesis such as: i). There is no significant difference in the awareness of child rights education among male and female pupil teachers. ii) There is no significant difference in the awareness of child rights education among B.Ed. and B.A.B.Ed/ B.SC. B.Ed. pupil teachers. Research questions with respect to child rights education were established. The researcher have explored implementation and practice of child rights education by pupil teachers during the internship and the challenges faced by pupil teachers while addressing child rights education during the internship. In the present study, the researcher has used a mixed-method research design where the researcher has created/established a balance between the qualitative and quantitative elements of the study. In the present study, the researcher has followed the mixed-method research design in which the researcher used a convergent parallel mixed method. It is a kind of mixed-method where the researcher converges and merges quantitative and qualitative data. Here the researcher has collected quantitative and qualitative data at the same point in time. In the first objective researcher have compared the mean difference of awareness of child rights education among pupil teachers. For qualitative data, the researcher applied two open-ended questionnaires on

how do pupil teachers implement and practice child rights education and what are the challenges faced by pupil teachers during the internship. For this, separate analysis was done following quantitative data and qualitative data. The descriptive survey method is used in the study. The population of the study was pupil teachers of all Regional Institutes of Education-NCERT. The researcher has collected the data from all the five constituent units of NCERT (Regional institutes of education). The researcher has considered the pupil-teacher as a sample of the study in which B.Ed. students and integrated students i.e. B.SC. B.Ed. / B.A. B.Ed were considered. For the data collection, the researcher has selected the five constituent units of NCERT (RIE AJMER, BHUBANESWAR, MYSORE, SHILONG, and BHOPAL) purposively. Pupil teachers were selected through stratified random sampling. As far as data collection tools is concerned, researcher has used Self-Developed Questionnaire on "Awareness of child rights education for pupil teachers, Self-Developed Open-ended questionnaire on "Implementation and practice of child rights education", Self-Developed open-ended questionnaire on "Challenges faced by pupil teachers while addressing child rights education". Data was analyzed by descriptive statistics, percentage, t-test and thematic analysis. Detailed findings were discussed in the 5th chapter of the study.

Key Words: Child Rights Education, Teacher Training programme, Participation Rights, Developmental Rights & Protection Rights.

शोध-सार

बाल अधिकार शिक्षा, शिक्षा के प्रति बाल केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर देती है। यह बच्चों की भागीदारी के लिए सम्मान, उनके सर्वोत्तम हितों पर विचार, और उनकी उच्चतम क्षमता तक विकास और गैर-भेदभाव जैसी विशेषताओं में दर्शाया गया है। इंटरएक्टिव, शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण सी.आर.ई. द्वारा समर्थित है। शोध का उद्देश्य छात्र तथा शिक्षकों के बीच बाल अधिकार शिक्षा के बारे में जागरूकता का अध्ययन करना था। इस जागरूकता में बाल अधिकार शिक्षा के लिए पुरुष और महिला छात्र-शिक्षकों, बी.एड. और बीएबीईडी/बी.एससी. छात्र-शिक्षकों की तुलना की गई। शोधार्थी ने निम्न प्रकार की परिकल्पना तैयार की है: 1. पुरुष और महिला छात्र-शिक्षकों के बीच बाल अधिकार शिक्षा के प्रति जागरूकता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। 2. बी.एड.और बीएबीईडी/बी.एससी. छात्र-शिक्षकों के बीच बाल अधिकार शिक्षा के प्रति जागरूकता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। बाल अधिकार शिक्षा के संबंध में अनुसंधानात्मक प्रश्न स्थापित किए गए थे। शोधकर्ता ने इंटर्नशिप के दौरान छात्र-शिक्षकों द्वारा बाल अधिकार शिक्षा के कार्यान्वयन और अभ्यास और इंटर्नशिप के दौरान बाल अधिकार शिक्षा को संबोधित करते समय छात्र-शिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियों का पता लगाया है। वर्तमान अध्ययन में, शोधकर्ता ने एक मिश्रित-विधि शोध डिजाइन का उपयोग किया है जहां शोधकर्ता ने अध्ययन के गुणात्मक और मात्रात्मक तत्वों के बीच संतुलन बनाया/स्थापित किया है। शोध में शोधार्थी ने मिश्रित-विधि अनुसंधान डिजाइन का पालन करते हुए एक अभिसरण समानांतर मिश्रित विधि का उपयोग भी किया है। यह एक प्रकार की मिश्रित विधि है जहां शोधार्थी मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा को परिवर्तित और विलय करता है। यहाँ शोधार्थी ने एक ही समय पर मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा एकत्र किया है। पहले उद्देश्य में छात्र-शिक्षकों के बीच बाल अधिकार शिक्षा के प्रति जागरूकता के औसत अंतर की तुलना की है। गुणात्मक डेटा के लिए, शोधकर्ता ने दो ओपन-एंडेड प्रश्नावली लागू कीं जैसेकि छात्र-शिक्षक बाल अधिकारों की शिक्षा को कैसे लागू करते हैं और अभ्यास करते हैं और

इंटर्नशिप के दौरान छात्र-शिक्षकों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए मात्रात्मक आँकड़ों और गुणात्मक आँकड़ों का अनुसरण करते हुए अलग-अलग विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में समस्त संख्या सभी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों-एनसीईआरटी के छात्र-शिक्षकों की है। शोधकर्ता ने एनसीईआरटी (क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान) की सभी पांच घटक इकाइयों से डेटा एकत्र किया है। शोधकर्ता ने अध्ययन का नमूना बी.एड. छात्र और एकीकृत छात्र यानी बी.एससी. बीएड./ बी. ए. बीएड. के छात्र-शिक्षकों को माना है। तथ्य संग्रह के लिए शोधकर्ता ने एनसीईआरटी (आरआईई अजमेर, भुवनेश्वर, मैसूर, शिलांग और भोपाल) की पांच घटक इकाइयों को एच्छिक रूप से चुना है। स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन के माध्यम से विद्यार्थियों के शिक्षकों का चयन किया गया। जहां तक तथ्य संकलन उपकरणों का संबंध है, शोधकर्ता ने "छात्र शिक्षकों के लिए बाल अधिकार शिक्षा के बारे में जागरूकता", "बाल अधिकार शिक्षा के कार्यान्वयन और अभ्यास" पर स्व-विकसित ओपन-एंडेड प्रश्नावली तथा स्व-विकसित प्रश्नावली का उपयोग किया है। "बाल अधिकार शिक्षा को संबोधित करते समय छात्र-शिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियों" पर प्रश्नावली समाप्त हुई। तथ्यों का विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकी, प्रतिशत, टी.-परीक्षण और विषयगत विश्लेषण द्वारा किया गया था। विस्तृत निष्कर्षों पर शोध के पांचवें अध्याय में चर्चा की गई है।

कीवर्ड: बाल अधिकार शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, भागीदारी अधिकार, विकास अधिकार और संरक्षण अधिकार।